श्याम सम्भालेगा | by Vivek Sharma

ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा
आज तक जिसने सम्भाला वही सम्भालेगा

हर घडी हर पल जो तेरा ध्यान रखता है
जग के आगे हर दफा सम्मान रखता है
कैसे तूने सोचा वो तुझको भुला देगा
ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

जो भी दे लेले खुशी से तर्क ना करना
कण मिले या घण मिले तू फर्क ना करना
जितनी झोली में ज़रूरत उतना डालेगा
ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

की प्रभु ने हर मुसीबत चुटकियों में हल
श्याम के आगे ना चलता मुश्किलों का बल
तेरी कमज़ोरी को ये ताक़त बना देगा
ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

डूब जाए नाव तेरी है नहीं मुमकिन
कह दे माधव कुछ नहीं तू सांवरे के बिन
बीच मझधारों को ये साहिल बना देगा
ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%97%e0%a4%be-by-vivek-sharma/